17-6-2001 ... 1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. | Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

सही अनुज प्रसाद गुप्ता मो० 25000 पचीस हजार रूपये
नगद किमत पाकर रकबा x-05 डी० जमीन धान खेत
आवाशीय का केवाला बिक्री लीखा सो मजमून केवाला
पढवा कर औ पढ़ कर सुन समझ लीया
ता। 4.11.04

850.00
25.00
54.00
1157.00
2.25
0.24
1157.47

Act 1973 ... 4.11.04
4.11.04

1. लेख्य कारी का नाम व पूरा पता

श्री अनुज प्रसाद गुप्ता पिता स्व० जीतु साव जाति तैलिक वैश्य निवासी ग्राम लातेहार चट्टी मुहल्ला पत्रालय, थाना एवं जिला लातेहार प्रगना पलामू राष्ट्रीयता भारतीय पेशा गृहस्थी एवं व्यवसाय सपथ पत्र संख्या 7340 दिनांक 03/11/04 समक्ष लेख्य प्रमाणक लातेहार ——

पहचान कर्ता
मनोज कुमार गुप्ता
पिता स्व० रामप्रितसाव
ग्रा० थाना जिला लातेहार
04/11/04

2092 तारीख 5.11.04
उपस्थित कुल लिखता ।
क का ना. लाल बहादुर मिश्रा।
ता.ओ.आई.सी - लातेहार
वास्ते हवाला। कुल 1000×3) 3400
100×4)

RIZWAN AKHTAR
S. V. Latehar
L. N. 12/98

अनुज प्रसाद गुप्ता श्री. ...

सही अनुज प्रसाद गुप्ता
ता: 5.11.04

5.11.04

5.11.04

उपर्युक्त अनुज प्रसाद गुप्ता ने इस लेख का निष्पादन स्वीकार किया, इनकी पहचान मनोज कुमार गुप्ता पिता - स्व० राम प्रीति साव, ग्राम, थाना व जिला - लातेहार, पेशा - कृषि ने की है।

297/5.11.04 सही अनुज प्रसाद गुप्ता
ता.5.11.04

298/5.11.04 सही मनोज कुमार गुप्ता 5.11.04

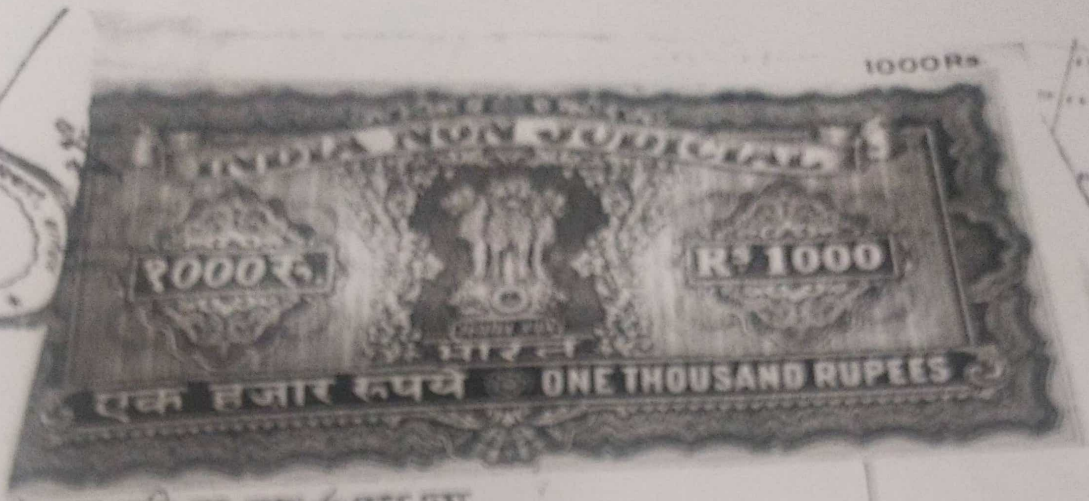

1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

लेख्यकारी का नाम और पूरा पता

श्री आलोक कुमार मिश्रा पिता श्री राज-किशोर मिश्रा जाति शाकलद्वीपी ब्राह्मण निवासी ग्राम लातेहार स्टेशन रोड लातेहार थाना एवं जिला लातेहार परगना पलामू राष्ट्रीयता भारतीय पेशा पुजारी माँ कौशल दुर्गा मंदिर लातेहार, प्राधिकार पत्र संख्या 7341 दिनांक 02/11/04 मार्फत लेखक प्रमाणक लातेहार ——

३. लेख्य प्रकार

विक्रय पत्र — Sale Deed

4. कीमत जायदाद

मो० 25000/ पच्चीस हजार रुपये मात्र

निर्धारित मूल्य - 85000/ पच्चासी हजार रुपये

5. जायदाद का विवरण

मकाजीर - 05 डी० पांच डीसमील जमीन धान खेत आवासीय हैसियत में स्थित वाके मौजा लातेहार थाना, जिला एवं निबंधन कार्यालय लातेहार पार्ट होल्डिंग जिसका पैमाईश लम्बाई उत्तर, दक्षिण 72 फीट 6 इन्च एवं चौड़ाई पूरब, पश्चिम 30 फीट नीचे लिखा बिक्री करते हैं जो ——

गवाह
मां. पुजारी
लातेहार
दि: ४.११.०४

[illegible] तारीख [illegible]
[illegible]
पिता का नाम [illegible]
पता [illegible]
साक्षी मूल्य

RIZWAN AKHTAR
S. V. Latehar
L. N. 12/98

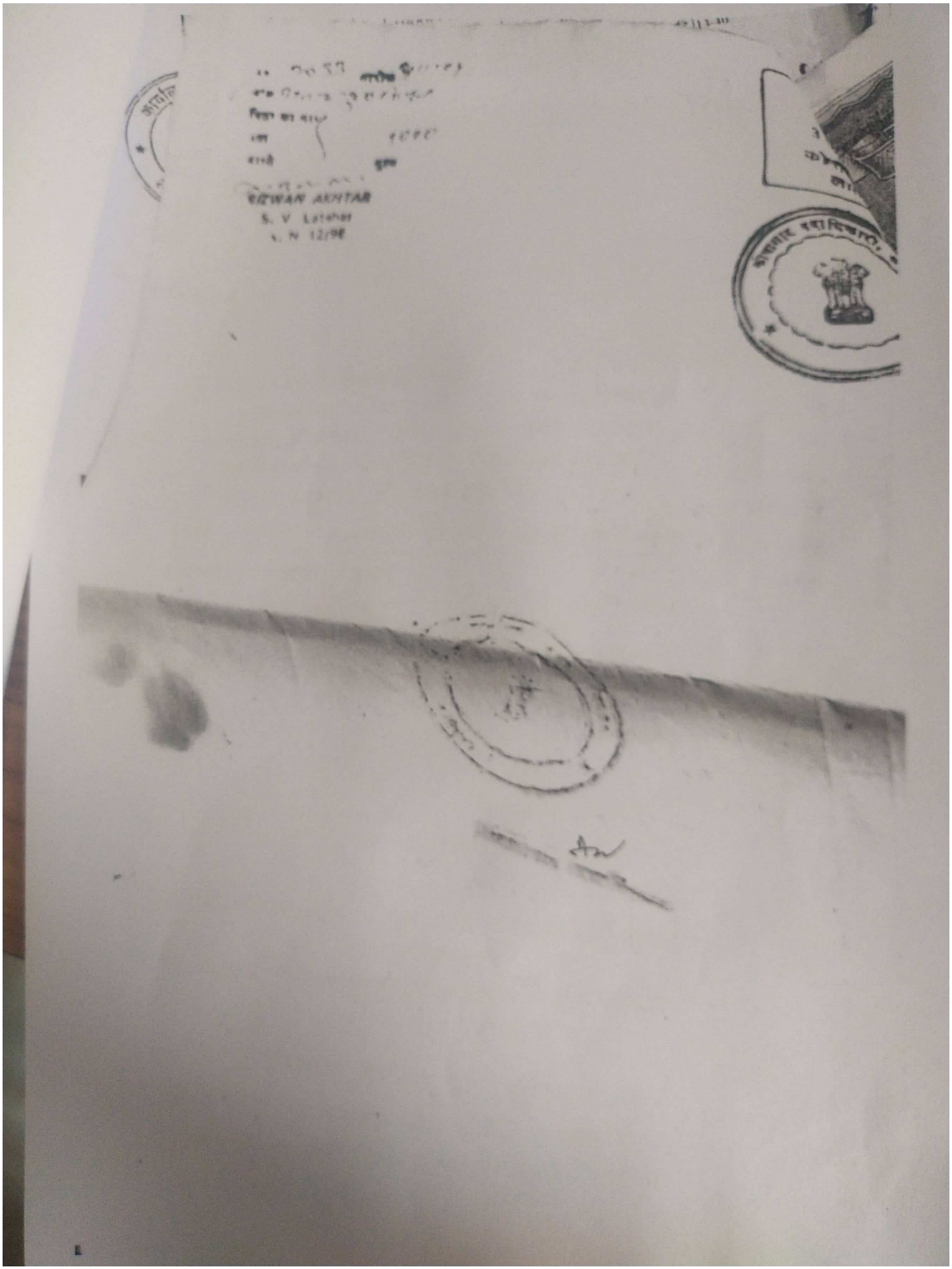

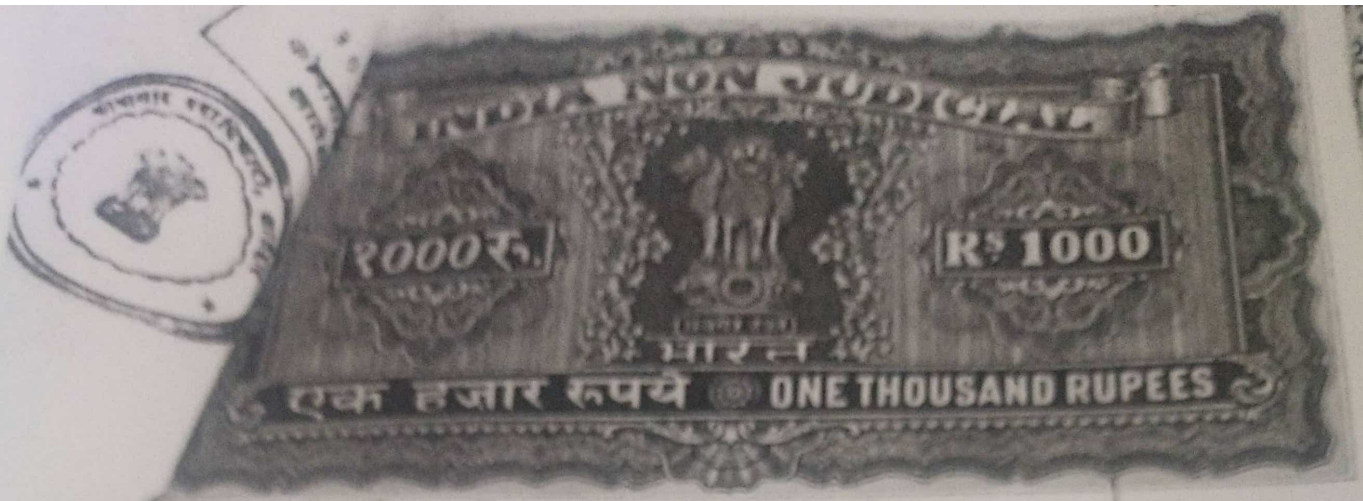

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. R$ 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

खापनलीज एरिया एवं सिलिंग एरिया के बाहर है तथा अधिसूचित क्षेत्र समिति लातेहार के अन्तर्गत है जिसका ब्योरा निम्न प्रकार है मकान नहीं है :-

ग्राम	थाना	थाना नं०	तौजी नं०	खेवट नं०	हो० नं०
लातेहार	लातेहार	250	51	1	4

खाता नं०	प्लॉट नं०	रकबा	चौहद्दी
31	701	में से x-05डी०	उ०-नीज विक्रेता
किस्म-सानृश्री नौ			द०-नीजी रास्ता एवं बाहर
			पू०-मुनेश्वर साव प्लॉट नं० 710
			प०-नीज विक्रेता
जमा 1	1	x-05डी० पांच डीसमील मात्र	

नाम मालिक - झारखण्ड सरकार अंचल लातेहार

सालाना मालगुजारी में 05 पैसे अलावे शेष

विदित हो कि प्रस्तुत लेख्य के कंडिका पांचवा में वर्णित सम्पति लेख्यकारी की स्थिति मौरूसी सम्पति है जिसका

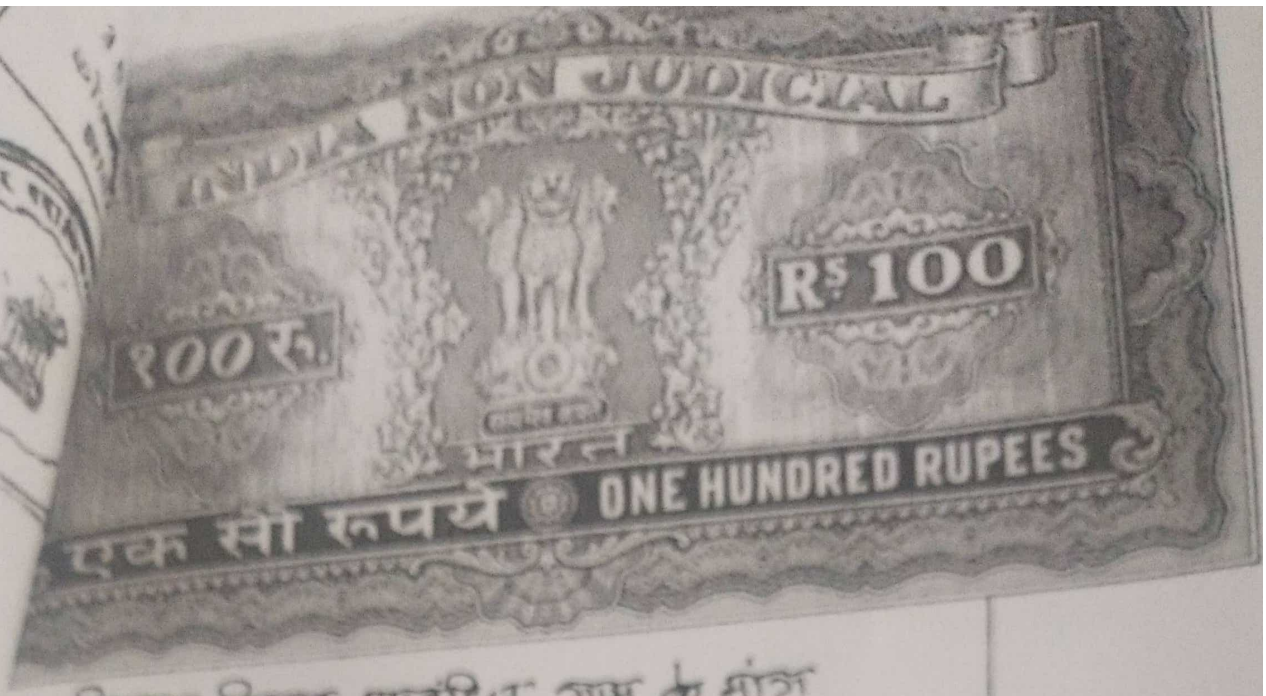

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

जिसका डिमान्ड सम्बंधित ग्राम के मांग पंजी II के होल्डिंग संख्या 39 में लेख्य-कारी के दादा स्व० रामसेवक साहु के नाम से चलते रहा है एवं वर्तमान में लेख्यकारी के हिस्से तख्ते एवं दखल कब्जे की जायदाद है वर्तमान समय में लेख्यकारी को बहन की शादी खर्चों के लिए रूपये की आव-श्यकता है जिसकी व्यवस्था का कोई अन्य स्रोत नहीं है इसलिए कंडिका पांचवा की सम्पति को बिक्री करना अनिवार्य हो गया है। लेख्यधारी कंडिका पांचवा की सम्पति को वर्तमान न्यायोचित मूल्य से खरीदने को तैयार हुए इसलिए लेख्यकारी अपनी स्वेच्छा से अपने आवश्यकता की पूर्ति के लिए कंडिका पांचवा की सम्पति को रु० 25000/ पच्चीस हजार रूपये कीमत में लेख्यधारी के साथ बिक्री किया और केवाला विक्रय पत्र लिखा। आज तारीख से कंडिका पांचवा की सम्पति पर से

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

अपना हक वो दावी समाप्त किया एवं उस पर लेख्यधारी का कब्जा दखल देते हुए उसका जायज मालिक घोषित किया। अब चाहिए कि लेख्यधारी कंडिका पांचवा की सम्पति पर दखलकार होकर उसका जोत-कोड़ करें एवं पैदावार को अपने उपभोग में लावें। आवश्यक समझें तो मकान बनावें एवं अपनी सुख सुविधा की समुचित व्यवस्था करें। यह भी चाहिए कि लेख्यधारी कंडिका पांचवा की सम्पति की दाखिल खारीज करवा लें वो अपने नाम से अलग डिमान्ड खोलवाकर सालिना मालगुजारी झारखण्ड सरकार को अंचल कार्यालय लातेहार के माध्यम से चुकता करके रसीद प्राप्त किया करें इसमें लेख्यकारी या इनके उतराधिकारी वर्तमान एवं भविष्य को किसी प्रकार की आपति नही है और न भविष्य में होगा।

सही अनुवाद प्रमाणित किया।

ता: 5.11.07

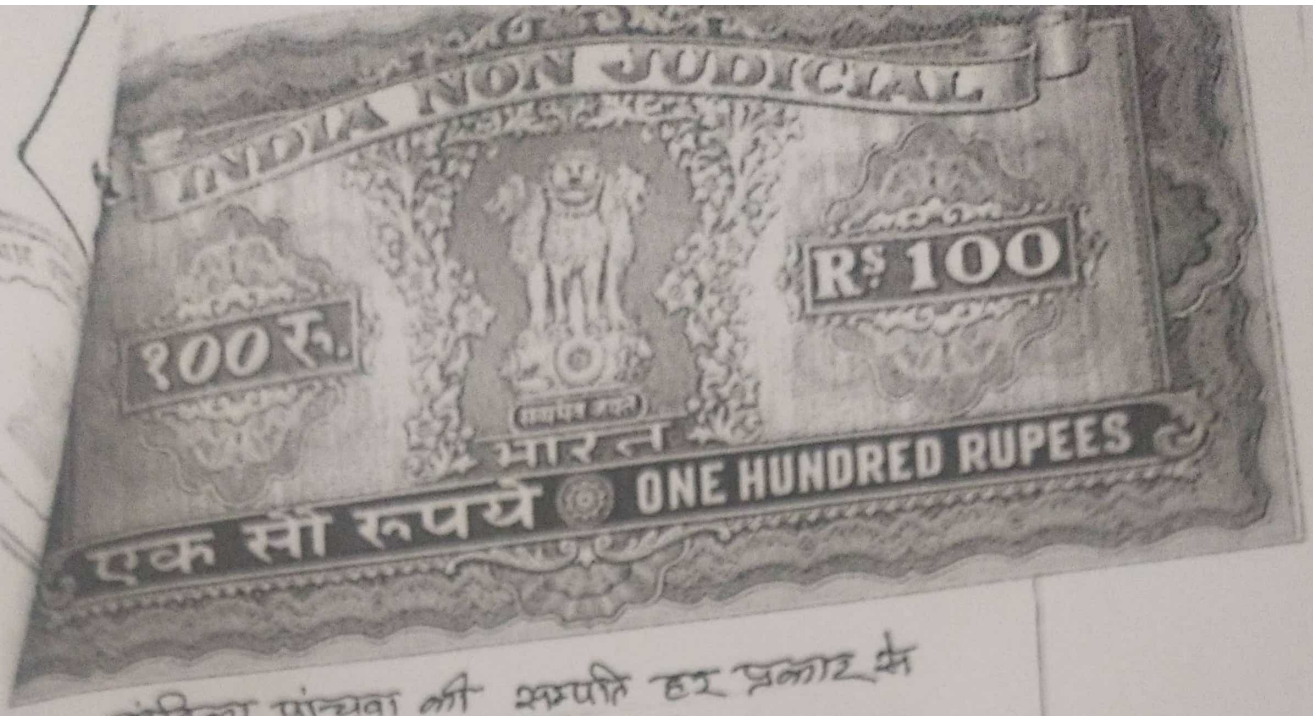

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रूपये ONE HUNDRED RUPEES

कंडिका पांचवा की सम्पति हर प्रकार से
पाक साफ है उसपर किसी तरह का
लेना देना किसी अन्य का नही है वो हर
प्रकार से विवाद रहित है इसलिए लेख्य-
कारी अपना हानि एवं लाभ वर्तमान वो
भविष्य को भलि प्रकार से समझ वो
बुझकर बिना बहकावे वो फुसलावे किसी
दुसरों के एवं बिना नाजायज दबाव के अपने
मन वो आत्मा की स्वच्छता से कंडिका
पांचवा में वर्णित सम्पति को मो० 25000/
पच्चीस हजार रूपये नगद कीमत पाकर
लेख्यधारी के साथ बिक्री किया वो केवाला
विक्रय पत्र लेख्यधारी के नाम लिख दिया
कि सबूत रहे और समय पर काम आवे।
केवाला विक्रय पत्र लेख्यधारी के हाथ
जाना कुल कीमत वसुली एवं आदान-प्रदान
का सच्चा सबूत वो दलील समझा जायगा।
लातेहार दिनांक 03 नवम्बर सन् 2005 ईस्वी

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. — Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

प्रमाणित किया जाता है कि

द्वितीयक प्रति मूल की हु-ब-हु सही
व सच्ची प्रतिलिपि है।

कातीब बिपिन बिहारी वसीका नवीस
लातेहार। मजमुन वसीका पढ़कर
लेखकारी को सुना दिया जिसे सही
पाकर उन्होंने अपना हस्ताक्षर बना
दिया।

03/11/04

सही अर्जुन प्रसाद 3.11.04

ता: 5.11.04

INDIA

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

मिति कार्तिक कृष्ण पक्ष सप्तमी 2061 ।

कातीब. बिपिन बिहारी वसीका नवीस

लातेहार ।

तारीख ५/११/०४

[illegible] प्रसाद गुप्ता

ता ५.११.०४